क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 246, सोमवार, 01 अक्टूबर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

तलाक को लेकर जारी अध्यादेश के खिलाफ याचिका खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। तलाक को लेकर 19 सितम्बर को जारी अध्यादेश के खिलाफ दाखिल याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी। मुख्य न्यायाधीश राजेन्द्र मेनन व न्यायमूर्ति वी. कामेश्वर राव की पीठ ने कहा कि जब तलाक को सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक कह दिया तो वह असंवैधानिक है। तलाक को लेकर जारी अध्यादेश को शाहिद आजाद ने चुनौती दी थी। उन्होंने अपने याचिका में कहा था कि तलाक को लेकर सरकार का विधेयक लोकसभा से पारित हो गया है, लेकिन वह राज्यसभा से अभी पारित नहीं हुआ है। इसपर अभी राज्यसभा में विचार किया जाना है। अध्यादेश में कई विरोधाभासी बातें कही गई है। यह आपराधिक कानून के अनुसार भी नहीं है। सरकार ने यह विधेयक भी मुस्लिम कानून को समझे बगैर लाया। इस दशा में सरकार को इस मुद्दे पर अध्यादेश लाने की जरूरत नहीं थी।

गुजरात के बिजनेसमैन ने अपने कर्मचारियों को रातों-रात बना दिया करोड़पति, गिफ्ट की मर्सिडीज कार

नई दिल्ली। सूरत के हरेकृष्ण डायमंड के मालिक सवजीभाई ढोलकिया ने एक बार फिर सभी को चौंका दिया है। अपने कर्मचारियों को महंगे तोहफे देने के लिए मशहूर हो चुके सवजीभाई ढोलकिया ने इस बार अपने तीन कर्मचारी को मर्सिडीज कार गिफ्ट की है। सवजीभाई ने अपनी कंपनी में नौकरी के 25 वर्ष पूर्ण करने वाले तीन कर्मचारियों को ये कारें तोहफे के रूप में दी हैं। इन कारों की कीमत एक-एक करोड़ रुपये है। इतना ही नहीं यह तोहफा उन्हें मध्यप्रदेश की राज्यपाल और गुजरात की पूर्व मुख्यमंत्री आनंदीबेन पटेल के हाथों प्रदान की गई। कंपनी में इस अवसर पर औपचारिक कार्यक्रम भी रखा गया था। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है जब सवजीभाई ढोलकिया ने अफने कर्मचारियों को ऐसा तोहफा दिया है। इससे पहले भी 2017 में सवजीभाई ने अपने कर्मचारियों को 1200 ड्टसन रेडी-गो गिफ्ट की थी। वहीं 2016 में सवजीभाई ने अपने कर्मचारियों को दिवाली बोनस के नाम पर 51 करोड़ रुपए भी दिए थे। सवजीभाई का कहना है कि वे अपने कर्मचारियों को उनके प्रदर्शन के अनुसार तोहफे देते हैं। सवजीभाई की कंपनी का एनुअल टर्नओवर करीब 6 हजार करोड़ रुपए है।

3 अक्टूबर की रेलवे ग्रुप डी भर्ती परीक्षा के एडमिट कार्ड जारी

नई दिल्ली। railway group d admit card 2018: रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड (RRB) ने 03 अक्टूबर को आयोजित होने वाली आरआरबी ग्रुप डी भर्ती परीक्षा के एडमिट कार्ड जारी कर दिए हैं। सभी उम्मीदवार अपने एडमिट कार्ड अपने-अपने रेलवे भर्ती बोर्ड की वेबसाइट से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। आरआरबी ग्रुप डी लेवल-1 सीबीटी परीक्षा 17 सितंबर से शुरू हुई थी। रेलवे ग्रुप डी पदों के लिए 1 करोड़ 90 लाख उम्मीदवार मैदान में हैं। इस पद (लेवल 1 ट्रैक मेंटेनर्स, असिस्टेंट पॉइंट्समेन आदि) पर करीब 63000 वैकेंसी है।

पिछले दिनों RRB Group D E&am में पूछे गए ये प्रश्न

- मणिपुर के मुख्यमंत्री की पार्टी का नाम क्या है?
- आईसीआईसीआई बैंक की सीईओ का नाम क्या है?
- जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट की एक महिला मुख्य न्यायाधीश बनी हैं। उनका नाम क्या है?
- पहले साउथ एशियन गेम्स किस वर्ष शुरू हुए थे?
- वर्ल्ड बैंक का मुख्यालय कहां पर स्थित है? जलियांवाला बाग हत्याकांड कब हुआ था? भारत में पहला ब्रिटिश वायरसराय कौन था।

परीक्षा की पहली शिफ्ट सुबह 9 बजे शुरू होगी। इसका रिपोर्टिंग टाइम सुबह 7:15 बजे है। गेट बंद होने का समय 8:15 है। परीक्षा की दूसरी शिफ्ट दोपहर 12:30 बजे शुरू होगी। इसका रिपोर्टिंग टाइम 10:45 बजे है। गेट बंद होने का समय 11:45 है।

दवाओं की ऑनलाइन बिक्री के खिलाफ एक दिवसीय बंद के दौरान शुक्रवार को संसद मार्ग पर प्रदर्शन करते दवा विक्रेता।

एयरपोर्ट पर 71 लाख रपए का सोना बरामद

तस्कर गिरफ्तार 40 लाख रपए के अन्य कीमती सामान भी बरामद

नई दिल्ली। आईजीआई एयरपोर्ट पर हांगकांग से तस्करी कर सोना दिल्ली लाने वाले एक भारतीय नागरिक को दिल्ली एयर कस्टम की टीम ने गिरफ्तार कर उससे 2 किलो 336 ग्राम सोना बरामद किया है। पकड़े सोने की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगभग 71 लाख 58 हजार रपए है। तलाशी में पकड़े गए तस्कर से लगभग 40 लाख रपए मूल्य का व्यवसायिक सामान भी मिला है।

आईजीआई एयरपोर्ट पर कस्टम के अधिकारी ने बताया कि 27 सितम्बर को हांगकांग से दिल्ली एयरपोर्ट टर्मिनल-3 पर पहुंचे आरोपी ने कस्टम की नजर से बचकर टर्मिनल से बाहर निकलना चाहा। वह बार-बार बिना जांच के ग्रीन चैनल को पार करने की कोशिश कर रहा था। मौके पर तैनात कस्टम की टीम ने उसे संदेह होने पर पकड़ लिया। उसके सामान की जांच करने पर प्लास्टिक के पैकेट में बंद सोने के बने मोती बरामद किए। तौलने पर मोतियों का वजन 2 किलो 336 ग्राम निकला, जिसकी कीमत 71 लाख रपए से भी ज्यादा आंकी गई। सामान की गहन जांच के दौरान 40 लाख रपए की कीमत के कुछ ऐसे व्यवसायिक सामान भी मिले जिसका कस्टम डयूटी देना अनिवार्य होता है। कस्टम ने सोने के साथ अन्य सामान जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

तीन दिन पहले डॉक्टर शशि भूषण के बेटे सत्यम को अगवा कर लिया गया था। इसके बाद रूपसपुर थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस सत्यम को तलाश रही थी। शनिवार को रूपसपुर इंजीनियरिंग कॉलेज के पीछे सत्यम की लाश मिली।

डॉक्टर के अगवा बेटे का मिला शव, 50 लाख की मांगी थी फिरौती

पटना। बिहार की राजधानी पटना में डॉक्टर के बेटे की किडनेप के बाद हत्या कर दी गई। तीन दिन पहले डॉक्टर शशि भूषण के बेटे सत्यम को अगवा कर लिया गया था। इसके बाद रूपसपुर थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस सत्यम को तलाश रही थी। शनिवार को रूपसपुर इंजीनियरिंग कॉलेज के पीछे सत्यम की लाश मिली। लाश सड़ी गली अवस्था में है। उससे बदबू आ रही है। पुलिस का कहना है कि 27 तारीख को सत्यम घर से कोचिंग के लिए निकला था। इसके बाद वह नहीं लौटा।

शव को देखने से ऐसा लग रहा है की उसी दिन अपराधियों ने सत्यम को मार दिया। इधर डॉक्टर के बेटे की हत्या की खबर मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस ने आनन-फानन दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। एक का नाम नीरज और दूसरे का नाम रोहित है। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है।

पुलिस के मुताबिक शुरुआती नजर में ऐसा लग रहा कि सत्यम के दोस्तों ने ही उसे मौत के घाट उतार दिया। उसके पीछे किसी लड़की का भी मामला सामने आ रहा है। बता दें, अपराधियों ने सत्यम को अगवा करने के करने के बाद 50 लाख की फिरौती मांगी थी। सत्यम की उम्र महज 15 साल थी और वह 10वीं का छात्र था।

लखनऊ में मैनेजर को गोली मारने के आरोपी कांस्टेबल की क्या हैं अपनी दलीलें

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में शनिवार की रात को एप्पल कंपनी के मैनेजर विवेक को कांस्टेबल ने गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। ये पूरी घटना गोमती नगर की है। उस वक्त इस कार में विवेक तिवारी और उनके ऑफिस में काम करनेवली सना सवार थी।

इस घटना के बाद आरोपी दोनों कांस्टेबल को फौरन बर्खास्त कर दिया गया है और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। दे सकते हैं सीबीआई जांच के आदेश-योगी

इस खुद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह एनकाउंटर नहीं है। उन्होंने कहा कि इसकी जांच की जा रही है और अगर जरूरत पड़ी तो वे इसकी जांच सीबीआई से भी करवा सकते हैं।

सेल्फडिफेंस में चलाई गोली

इस घटना पर गोली चलाने के आरोपी प्रशांत चौधरी ने कहा कि रात करीब 2 बजे उन्होंने देखा कि एक संदिग्ध कार की लाइट ऑफ है। जब उन्होंने पूछताछ करनी चाही तो कार के ड्राईवर ने उनके ऊपर तीन बार गाड़ी

चढ़ाने का प्रयास किया। जिसके बाद उन्होंने खुद के बचाव में गोली चलाई। उसके बाद वह मौके से भाग गया।

शर्मसार करने वाली है ये घटना

पुलिस ने इस घटना को शर्मनाक करार दिया है। पुलिस का कहना है कि भले ही यह सेल्फ डिफेंस में गोली चलाई गई हो लेकिन किसी भी सूरत में उसके ऊपर गोली नहीं चलाया जाना चाहिए था। पुलिस का तर्क है कि अगर ऐसी परिस्थिति बनती भी थी तो गाड़ी के टायर पर गोली मारना चाहिए था ना कि विवेक तिवारी के ऊपर।

विवेकी की सहकर्मी सना ने कहा- इस वक्त कुछ बताने के हालात में नहीं

घटना के वक्त विवेक के साथ रहने वाली सना ने कहा कि वे इस वक्त इस हालत में नहीं हैं कि वे कुछ बताएं। सना ने कहा कि वे चाहती है कि दोषी को दंडित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे किसी दबाव में नहीं है कि सच्चाई छिपाई जा सके।

कहर डिप्थीरिया का, एक और बच्ची ने तोड़ा दम

मरने वाले बच्चों की संख्या हुई 23

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली नगर निगम के महर्षि वाल्मिकी संक्रामक रोग अस्पताल में डिप्थीरिया से होने वाली मौतों का सिलसिला नहीं थमरहा है। अस्पताल में शुक्रवार को एक और बच्चे की मौत का मामला सामने आया है। इसके साथ ही मरने वालों की संख्या बढ़कर 23 हो गई है। अब तक कुल हुई 23 मौतों में से 5 दिल्ली जबकि 18 दिल्ली के बाहर की बताई गई। इसके अलावा अब तक इस अस्पताल में 183 मरीज भर्ती कराए गए हैं। नगर निगम के स्वास्थ विभाग ने जारी रिपोर्ट में बताया कि यह आंकड़े चौबीस घंटे के हैं। बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश के खुर्जा निवासी शना नाम की एक बच्ची को डिप्थीरिया संक्रमण की गंभीर हालत में होने की वजह से अस्पताल में दाखिल कराया गया था, लेकिन दाखिल कराने के चंद घंटों में ही बच्ची ने दम तोड़ दिया। इसके पहले इस बच्ची का इलाज उत्तर प्रदेश के जिला अस्पताल में ही चल रहा था। वहां के डाक्टरों ने उसे आईसीयू में भर्ती करने की सलाह दी और कहा कि यह सुविधा इस अस्पताल में नहीं है, अत: इसे दिल्ली स्थित महर्षि वाल्मिकी संक्रामक रोग अस्पताल ले जाइए। इसके लिए उसे वहां अस्पताल की ही एम्बुलेंस वैन से लाया गया था। उसके साथ कोई डाक्टर नहीं था। वहीं अस्पताल में कुछ और सीरम आने की भी चर्चा है। बताया जा रहा है कि अब तक आ चुके 250 एंटी डिप्थीरिया सीरम के अलावा दो दिन पहले ही यहां पर दो 200 और सीरम इंजेक्शन की खेप अस्पताल पहुंच चुकी है। यह सीरम हिमाचल स्थित कसौली की बजाए हैदराबाद से मंगाया गया है। जबकि अभी 800 इंजेक्शन सीरम के और आने बाकी हैं। अस्पताल के डीएमएस डा. आरएन सिंह ने कहा कि बच्ची की मृत्यु डिप्थीरिया संक्रमण की गंभीर हालत होने से हुई।

सम्मोहित कर दो महिलाओं से ठगी

नई दिल्ली। दरियागंज थाना क्षेत्र में अधेड़ महिला ने युवती के साथ मिलकर महिला को सम्मोहित कर ठग लिया। उधर मॉडर्न स्कूल, बाराखंभा रोड के पास दो युवकों ने हत्या का डर दिखाकर बुजुर्ग महिला को ठग लिया। पुलिस के अनुसार सबीना बेगम (45) परिवार के साथ नबी करीम में रहती है वह दोपहर को बाजार से सब्जी लेने जा रही थी। इसी दौरान रास्ते में युवती के साथ अधेड़ महिला मिली। दोनों ने पीड़िता को बातों में उलझाते हुए सम्मोहित कर लिया। बांके बिहारी मंदिर के पास महिला ने एक रुमाल लपेटकर सबीना को दे दिया, जिसके उसने सोने के कुंडल और लॉकेट उतारकर उसे दे दिया। इसके बाद दोनों वहां से रफू चक्कर हो गई। उधर गणोशनगर निवासी सुधा देवी (63) पोते सक्षम को छोड़ने मॉडर्न स्कूल आई थी। जब वह घर जाने के लिए स्टाप पर बस का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान एक युवक आया और कहने लगा कि आपको डीएम साहब बुला रहे हैं। पीड़िता को डराते हुए कहा कि यहां मंडर हुआ है, अपने गहने उतारो।

अवध विश्वविद्यालय : गलत रोल नम्बर पर दिला दी प्रयोगात्मक परीक्षा, हो गई छात्रा फेल

गोंडाए, एजेंसी। जल्दबाजी और गैर जिम्मेदाराना रवैये ने एक छात्रा का वर्ष बर्बाद कर दिया है, परेशान होकर छात्रा शिकायती पत्र लेकर इधर से उधर भटक रही है। डॉ. राम मनोहर लोहिया अवधविश्वविद्यालय से सम्बद्ध लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय में आंतरिक परीक्षक ने गलत रोल नम्बर पर छात्रा की प्रयोगात्मक परीक्षा दिल दी। परीक्षा परिणाम में छात्रा फेल हो गयी।

लालबहादुर शास्त्री महाविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2017-18 में बीए प्रथम वर्ष में अध्ययनरत छात्रा नंदिनी सोनी पुत्री कुलदीप सोनी ने सैन्यविज्ञान और रक्षा अध्ययन एक विषय के रूप में ले रखा था। पूरे वर्ष मेहनत से पढ़ाई करने के बाद प्रयोगात्मक परीक्षा व लिखित परीक्षा में सम्मिलित हुई। इसी बीच प्रयोगात्मक परीक्षा उस समय आयोजित हुई जब विश्वविद्यालय ने केवल रोल नम्बर ही जारी किया था लेकिन प्रवेश पत्र निर्गत नही हुआ था। महाविद्यालय के सैन्यविज्ञान विभाग में आंतरिक परीक्षक ने नंदिनी को 18008316 रोल नम्बर बताकर प्रयोगात्मक परीक्षा दिलवा दी।

इसी बीच लिखित परीक्षा में प्रवेश पत्र में लिखे रोल नम्बर 18008318 पर छात्रा ने परीक्षा दे दी। इस बात का पता तब चला जब विश्वविद्यालय ने परीक्षा परिणाम जारी किया जिसमें नंदिनी प्रयोगात्मक परीक्षा में अनुपस्थित दर्शायी गयी और फेल हो गयी।

इसकी शिकायत छात्रा नंदिनी ने महाविद्यालय में सैन्यविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष व प्राचार्य से की। जिसपर तत्कालीन आंतरिक परीक्षक ने भी प्रकरण पर दी आख्या में यह स्वीकार किया है कि नंदिनी सोनी पुत्री कुलदीप सोनी ने रोल नम्बर 18008316 पर प्रयोगात्मक परीक्षा दी है जबकि छात्रा नंदिनी का रोल 18008318 है, वही 18008316 रोल नम्बर किसी अन्य छात्रा नंदिनी पुत्री रामतेज का है जो प्रयोगात्मक परीक्षा में अनुपस्थित थी।

छात्रा नंदिनी ने इसकी शिकायत महाविद्यालय व विश्वविद्यालय प्रशासन से की। अपनी फेल रिजल्ट की मार्कशीट देख अपना एक वर्ष बर्बाद होते देख छात्रा नंदिनी काफी परेशान है तथा शिकायती पत्र लेकर भटक रही है।

जोधपुर (राजस्थान) : कोणार्क वार मेमोरियल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

वर्धा में बापू कुटी एवं दिल्ली में राजघाट : गाँधी जयंती क्यों मनाई जाती इसका क्या महत्व है?

भारत में गांधी जयंती प्रार्थना सभाओं और राजघाट नई दिल्ली में गांधी प्रतिमा के सामने श्रद्धांजलि देकर राष्ट्रीय अवकाश के रूप में मनाई जाती है, महात्मा गांधी की समाधि पर राष्ट्रपति और भारत के प्रधानमंत्री की उपस्थिति में प्रार्थना आयोजित की जाती है, जहां उनका अंतिम संस्कार किया, उनका सबसे पसंदीदा और भक्ति गीत रघुपति राघव राजा राम उनकी स्मृति में गाया जाता है, पूरे भारत में इस दिवस को अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में भी आयोजित किया जाता है. अधिकतर स्कूलों में एक दिन पहले ही गांधी जयंती का उत्सव मनाया जाता है. ये सभी उत्सव जीवन के उन सिद्धांतों को प्रभावित करते हैं जो कि गांधी जी ने बताए थे, अनुशासन, शांति, ईमानदारी, अहिंसा और विश्वास. ?पहले वह आप पर ध्यान नहीं देंगे, फिर आप पर हसेंगे, फिर आपसे लड़ेंगे और तब आप जीत जाएंगे'' ? महात्मा गाँधी भारत में कई स्थानों पर लोग बापू के प्रसिद्ध गीत ''रघुपति राघव राजा राम'' को गाते हैं, प्रार्थना करते हैं और स्मारक समारोह के माध्यम से गांधी जी को श्रद्धांजलि देते हैं. इस दिवस को कला, विज्ञान की प्रदर्शनियों और निबंध की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है. साथ ही अहिंसा और शांति को बढ़ावा देने के लिए पुरस्कार और सम्मान प्रदान किये जाते हैं, गाँधी जयंती का क्या महत्व है? –

इस दुनिया को शांति और अहिंसा का पाठ पढ़ानें की दिशा में महात्मा गांधी जी का योगदान सामानांतर है. उनकी शिक्षा यही है कि, सभी प्रकार के संघर्ष का समाधान अहिंसा से किया जाये. साथ ही इस विश्व में प्रत्येक बड़ी और छोटी समस्या का समाधान शांति और अहिंसा से निकाला जाये ताकि लोगों के रहने के लिए बेहतर माहौल का निर्माण किया जा सके. महात्मा गांधी के पिता का नाम करमचंद गांधी और माता का नाम पुतलीबाई था जो करमचंद गांधी की चौथी पत्नी थी. गांधी जी अपने पिता की चौथी पत्नी की अंतिम संतान थे. उनके पिता ब्रिटिश राज के समय काठियावाड़ की एक छोटी सी रियासत (पोरबंदर) के दीवान थे. – वर्ष 1883 मई में साढ़े 13 साल की आयु पूरी करते ही उनका विवाह 14 साल की कस्तूरबा से कर दिया गया था. मोहनदास और कस्तूरबा के चार सन्तान हुईं जो सभी पुत्र थे. – गांधी जी ने दक्षणि अफ्रीका प्रवास के दौरान 1899 के एंग्लो बोएर युद्ध में स्वास्थ्यकर्मी के तौर पर मदद की थी. पर युद्ध के भयानक चित्र को देखकर उनहोंने हिंसा के खिलाफ आवाज़ उठाने की ठान ली और इस प्रकार वे अहिंसा के रस्ते पर चल पड़े, – गांधी जी का सिविल राइट्स आंदोलन कुल 4 महाद्वीपों और 12 देशों तक पहुंचा था. – गांधी जी ने साउथ अफ्रीका के डर्बन, प्रिटोरिया और जोहांसबर्ग में तीन फुटबॉल क्लब स्थापित करने में मदद की थी. इन तीनों क्लब का नाम एक ही था – ''पैसिव रेसिस्टर्स सॉकर क्लब''.

– वर्ष 1931 में इंग्लैंड यात्रा के दौरान गांधी जी ने पहली बार रेडियो पर अमेरिका के लिए भाषण दिया था. रेडियो पर उनके पहले शब्द थे ?क्या मुझे इसके अंदर (माइक्रोफोन) बोलना पड़ेगा वर्ष 1930 में उन्हें अमेरिका की प्रतिष्ठित टाइम मैगजीन ने ?वर्ष का सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति? का पुरुस्कार दिया था.

महात्मा गांधी को राष्ट्रपिता की उपाधि सुभाष चन्द्र बोस ने दी थी. 30 जनवरी, 1948 को नाथूराम गौड़से नामक व्यक्ति ने गांधी जी को गोली मारकर हत्या कर दी थी. महात्मा गांधी की शवयात्रा 8 किलोमीटर लंबी थी. गांधी जी ने अपनी आत्मकथा ''द स्टोरी ऑफ़ माय एक्सपेरिमेंट्स विथ ट्रुथ'' में दर्शन और अपने जीवन के मार्ग का वर्णन किया है. ऐसा कहना गलत नहीं होगा कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अहिंसा और गांधी जी के प्रयासों जैसे विषयों पर भारत में स्कूलों, कॉलेजों और अन्य शैक्षकि संस्थानों में प्रतियोगिताएँ, खेल, भाषण जैसी विभिन्न गतिविधियाँ 2 अक्टूबर को आयोजित की जाती हैं. इसमें कोई शक नहीं कि गांधी जी युवाओं के लिए एक आदर्श और प्रेरणादायक नेता है. स्वराज को हासिल करने के लिए गांधी जी ने बहुत अच्छा काम किया. उन्होंने किसानों की आर्थिक स्थिति में भी सुधार किया और अस्पृश्यता या छुआ-छात जैसी अन्य सामाजिक बुराइयों को भी समाज से समाप्त करना में मुख्य भूमिका निभाई. उन्होंने महिला सशक्तिकरण का भी समर्थन किया. वे एक महान नेता थे. इसलिए 2 अक्टूबर को गांधी जयंती देश में उनके सिद्धांतों को बढ़ावा देने के लिए मनाई जाती है.

लेख – डॉ. नेहा नेमा

सत्संग

आनंद

राजनीति सवरेपरि है तब तक मनुष्य के जीवन में न तो आनंद हो सकता है, न शांति हो सकती है। क्योंकि राजनीति सवरेपरि होने का अर्थ यह है : इस जीवन में, इस जगत में जो सबसे ज्यादा एंबीशस होंगे, सबसे ज्यादा महत्त्वाकांक्षी होंगे, वे सबसे ऊपर पहुंच जाएंगे। और जो महत्त्वाकांक्षी है उसे अपने अतिरिक्त किसी से कोई मतलब नहीं होता। वह बातें सब करता हो, उसे अपने अतिरिक्त और कोई मतलब नहीं होता। अगर उसे अपने अतिरिक्त किसी और से मतलब होता तो वह महत्त्वाकांक्षी नहीं हो सकता था। महत्त्वाकांक्षी व्यक्ति हिंसक होता है। और महत्त्वाकांक्षी व्यक्ति अंधा होता है। महत्त्वाकांक्षा अंधा कर देती है। वह कुछ भी कर सकता है। और दुनिया भर में राजनीति इतनी प्रभावी है, उसकी वजह से जो जितने ज्यादा महत्त्वाकांक्षी लोग हैं, जितने अंधे, जितने क्रूर और कठोर और जितने हिंसक, वे सब ऊपर पहुंच जाते हैं। और वे जीवन को परिचालित करते हैं। और उनके द्वारा जीवन चलता है। इसीलिए तो आए दिन रोज युद्ध हो जाते हैं दुनिया में। तीन हजार साल में साढ़े चार हजार युद्ध हुए हैं मनुष्य-जाति के इतिहास में! यह घबराने वाला तय नहीं मालूम होता आपको? यह कितना आश्चर्यजनक है! तीन हजार साल के इतिहास में साढ़े चार हजार लड़ाइयां! मसलन रोज ही लड़ाई चलती रही है। और जिन दिनों लड़ाई नहीं चली है वे दिन शांति के दिन नहीं रहे हैं, नई लड़ाई की तैयारी के दिन रहे हैं। उस वक्त नई लड़ाई की तैयारी चलती रही है। मतलब आदमी के इतिहास को दो हिस्सों में बांटा जा सकता है-लड़ने का समय और लड़ाई की तैयारी करने का समय। शांति जैसी चीज आज तक न जानी गई है और न परिचित है। और यह कैसे हुआ है? राजनीति केंद्र है, तब तक ऐसा ही होगा! क्योंकि जो महत्त्वाकांक्षी है वह हिंसक है, और जो हिंसक है वह अंतत: युद्ध में ले जाएगा। चाहे किसी भी मार्ग से जाए, राजनीति की अंतिम परिणति युद्ध है। राजनैतिक दृष्टि ही युद्ध और हिंसा पर खड़ी होती है। अगर मेरे भीतर राजनीतिज्ञ होता है तो मैं कोशिश करता हूं कि आपको पीछे हटाऊं और मैं आगे जाऊं। मेरे मन में पालिटीशियन का अर्थ यह नहीं है कि जो आदमी सिर्फ इलेक्शन लड़ता है वह राजनीतिज्ञ हो गया। मेरी दृष्टि में राजनीतिज्ञ से अर्थ है वह व्यक्ति जो दूसरों को पीछे हटा कर खुद आगे जाना चाहता है।

सर्जिकल स्ट्राइक डे

इस घोषणा के बाद राहुल गांधी अपने पसंदीदा शिक्षाविद् के साथ दिल्ली के सीरीफोर्ड सभागार में भाषण देते हैं, और आश्वासन देते हैं कि उनकी सरकार आई तो शिक्षा व्यवस्था की बेतरतीबी दूर करेगी। यहां पर दो प्रश्न हैं। पहला, सर्जिकल स्ट्राइक पर राजनीति किस लिए? दूसरा, क्या शिक्षण संस्थाओं में सुरक्षा संबंधी मसलों को राजनीतिक आईने से देखा जाना चाहिए? पहले प्रश्न की बात की जाए तो कई बातें सामने आती हैं। सर्जिकल स्ट्राइक पाकिस्तान के विरुद्ध थी। उरी में आतंकी हमले के बाद यह सब कुछ किया गया। उरी हमले में हमारे 14 सैनिकों पर देर रात घात लगाकर हमला किया गया था, जो आतंकी संगठनों जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा की सुनियोजित येजना थी।

सतीश पेडणोकर

पिछले सप्ताह जब मानव संसाधन विकास मंत्रालय की अनुशंसा पर विविद्यालय अनुदान आयोग ने एक सुझावात्मक पत्र तकरीबन 900 विविद्यालयों और 38 हजार कॉलेजों को जारी किया। इसमें कहा गया कि 29 सितम्बर को सर्जिकल स्ट्राइक डे के रूप में विभिन्न विविद्यालयों और महाविद्यालयों में मनाया जाएगा। इस घोषणा के साथ ही भीषण राजनीति शुरू हो गई। प. बंगाल के शिक्षा मंत्री ने केंद्र सरकार की हर पहल का विरोध करने की ठान ली है। शिक्षा मंत्री पार्था चटर्जी ने इसे चुनावी षड्यंत्र बताया। यहां तक कह दिया कि केंद्र सरकार शहीदों के बलिदान पर राजनीति कर रही है। वहीं जवाहरलाल नेहरू विविद्यालय के कुलपति प्रो. जगदीश कुमार ने इस दिवस को खूब धूमधाम से मनाने की बात कही। प्रो. कुमार के शब्दों में रक्षा अधिकारियों की विशेष आत्मीयता जेएनयू से है।

उनकी डिग्री जेएनयू देती है। वे जेएनयू परिवार के सदस्य हैं। इसलिए इस दिवस को मनाने में गर्व की अनुभूति होगी। मानव संसाधन विकास मंत्रालय की घोषणा के बाद रक्षा मंत्रालय ने भी ''इंडिया गेट' पर एक विशेष झांकी निकालने की बात कही। अब यह विषय पूरी तरह राजनीतिक अखाड़े का हिस्सा बन गया। इस घोषणा के बाद राहुल गांधी अपने पसंदीदा शिक्षाविद् के साथ दिल्ली के सीरीफोर्ड सभागार में भाषण देते हैं, और आश्वासन देते हैं कि उनकी सरकार आई तो शिक्षा व्यवस्था की बेतरतीबी दूर करेगी। यहां पर दो प्रश्न हैं। पहला, सर्जिकल स्ट्राइक पर राजनीति किस लिए? दूसरा, क्या शिक्षण संस्थाओं में सुरक्षा संबंधी मसलों को राजनीतिक आईने से देखा जाना चाहिए? पहले प्रश्न की बात की जाए तो कई बातें सामने आती हैं। सर्जिकल स्ट्राइक पाकिस्तान के विरुद्ध थी। उरी में आतंकी हमले के बाद यह सब कुछ किया गया। उरी हमले में हमारे 14 सैनिकों पर देर रात घात लगाकर हमला किया गया था, जो आतंकी संगठनों जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा की सुनियोजित येजना थी। योजना को पाकिस्तानी सेना सिरे चढ़ा रही थी। भारत ने पहला हमला अचानक नहीं किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हर पहलू और उससे पैदा होने वाले परिणामों को देखते हुए इजाजत दी थी। भारत की यह पहली सर्जिकल स्ट्राइक नहीं थी। ऐसी कवायदें पहले भी हुई हैं। म्यांमार के भीतर भी की गई थी, लेकिन 29 सितम्बर, 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक कई मायनों में भिन्न थी। यह अभ्यास भारतीय सामरिक मानसिकता का अभिन्न अंग बन गया। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मीडिया में इसकी खूब चर्चा होती रही। भारत ने पाकिस्तान के साथ युद्ध का एक नया रास्ता खोज लिया। भारत-पाकिस्तान संबंध आणविक विस्फोट के बाद पूरी तरह से बदल गए। परंपरागत भारतीय श्रेष्ठता को पाकिस्तान आणविक धमकियों से डराने लगा। गाहे बगाहे आणविक हथियारों के प्रयोग की धमकी देने लगा। इस परिवर्तन का फायदा पाकिस्तान अपनी घुसपैठ को बढ़ाने और सीमावर्ती इलाकों में भारतीय सेना पर हमले करने में लगाने लगा। भारत के आणविक सिद्धांत भी पाकिस्तान से अलग हैं। भारत प्रथम प्रयोग का विरोधी है। इसलिए संघर्ष की स्थिति में भी भारत ने कभी भी आणविक हथियारों की धमकी नहीं दी जबकि पाकिस्तान प्रथम प्रयोग की बात की नहीं मानता अर्थात परिस्थिति ऐसी बनती है, तो पाकिस्तान आणविक हथियारों के प्रयोग से गुरेज नहीं करेगा। उरी हमले से पहले भी कई हमले पाकिस्तान की तरफसे किए जा चुके थे। ऐसे माहौल में सर्जिकल स्ट्राइक के अलावा और कोई विकल्प नहीं बचा था। प्रश्न यह भी है कि इस विशेष दिन की याद किसलिए? भारत पिछले कई वर्षो से आतंकवाद-पीड़ित है। आतंकवाद की धुंध पाकिस्तान से उठती है। भारत अब ऐसा देश नहीं रहा जिसकी कोई बिसात नहीं है। भारत की गिनती महत्त्वपूर्ण देशों में होती है। आर्थिक, सैनिक और अन्य मापदंडों पर इसकी अहमियत बढ़ती जा रही है। युवाओं का सबसे बड़ा समूह भारत में रहता है। युवाओं का बड़ा तबका विविद्यालयों और महाविद्यालयों में शिक्षा ले रहा है। शिक्षा के साथ राष्ट्रीयता का पुट देश को मजबूत बनाता है। पिछले कई दशक से युद्ध नहीं हुए लेकिन सैनिकों की शहादत आतंकवाद के कारण कम नहीं हुई। सैनिक शहीद होते रहे लेकिन भारतीय मानसिकता शिथिल बनती जा रही थी। अरूंधति राय जैसी लेखिका मशहूर होने लगी जो सैनिकों की भर्त्सना और आतंकियों को शहीद मानने लगी। दुखद यह रहा कि शिक्षण संस्थाओं में भारत के टुकड़े होंगे हजार जैसे जुगलबंदी गाए जाने लगे। दलितों, मुसलमानों और कई बुद्धिजीवी भी हैं जिनकी नजर में भारत जैसा कोई देश नहीं है। राष्ट्र और राष्ट्र के प्रतीक जैसी कोई चीज नहीं होती। राष्ट्र काल्पनिक चिड़िया का नाम है।

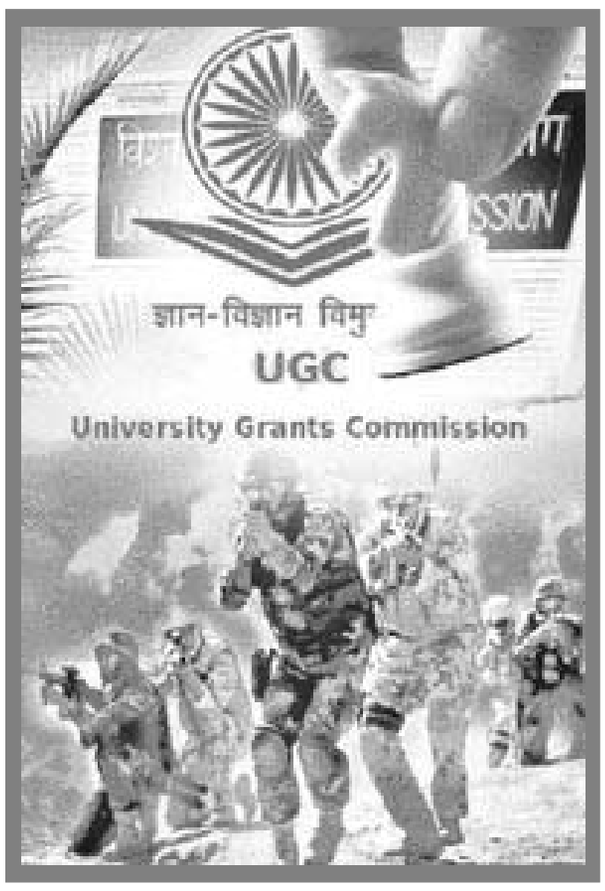

राष्ट्रीयता महज पागलपन और बेवकूफी। ये सारी बातें शिक्षण संस्थाओं में ही हुई हैं। छात्रों को ही शिक्षा के जरिए राष्ट्र के प्रति संवेदनहीन बनाने की कोशिश की गई। दूसरा महत्त्वपूर्ण कारण यह रहा है कि सर्जिकल स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान का आतंकी हमला और तेज हुआ है क्योंकि पिछले हमले को पाकिस्तान सर्जिकल स्ट्राइक मानने से इनकार करता रहा है। पूरी दुनिया जानती है कि भारत ने सर्जिकल स्ट्राइक के द्वारा पाकिस्तान के सात से अधिक कैम्पों को पूरी तरह से तहस-नहस कर दिया था। स्थिति पुन: ऐसी बन रही है कि भारत दोबारा हमला करेगा। चूंकि अंतरराष्ट्रीय कानून की नजरों में भी यह प्रयास सबसे बेहतर विकल्प है। भारत आणविक हथियारों की धमकी नहीं दे सकता। ऐसे हालात में पाकिस्तान के निरंतर आतंकी हमले का जवाब सर्जिकल स्ट्राइक ही हो सकता है। अगर इस दिवस को पूरी तैयारी और संवेदना के साथ मनाया जाता है, तो न केवल राष्ट्रीय मनोबल ऊंचा होगा, बल्कि सैनिकों का उत्साह भी बढ़ेगा। चूंकि चुनावी माहौल है, इसलिए हर निर्णय राजनीति का अखाड़ा बन जाता है। फिर भी कोशिश होनी चाहिए कि राष्ट्रीय सुरक्षा का मसला राजनीति से परे रहे। विशेषकर ऐसी स्थिति में जब पाकिस्तान की निर्वाचित सरकार और सेना के बीच फर्क बिल्कुल खत्म हो गया हो। पाकिस्तान अपनी कमजोरी की वजह से ही भारत से वार्ता की शुरुआत करना चाहता है भारत का रुख स्पष्ट है। वार्ता और बम, दोनों साथ-साथ नहीं चल सकते। भारत हर तरह से सर्जिकल स्ट्राइक की पुनरावर्ती की तैयारी में है। पाकिस्तान को यह संशय भी है, भारत ऐसा कुछ कर सकता है। इसलिए भी भारतीयों के बीच सुरक्षा के अहम मसले पर राष्ट्र की सोच एक होनी चाहिए।

चलते चलते

प्रचारक जी सतर्क

विदेशी हाथ और प्रचारक जी की खुशी का कनेक्शन कुछ समझ में नहीं आया। पूछा-विदेशी हाथ में खुश होने की क्या बात है? प्रचारक जी सतर्क हो गए। खुश कौन हो रहा है? विदेशी हाथ देख कर खुश हो भी कौन सकता है? बस, जरा विरोधियों की क्या गत बननी है, यह सोचकर हंसी आ गई। यह शुद्ध हंसी है, इसका खुशी से कोई नाता नहीं है। पूछा-और ये विदेशी हाथ का क्या चक्कर है?

प्रचारक जी का चेहरा खिला पड़ रहा था। पूछा-कोई खुशखबरी! वह रहस्यमय तरीके से मुस्कियाए। फिर एक सूत्र बुदबुदाए-विदेशी हाथ! पूछा-वह क्या है? प्रचारक जी खिलवाड़ की दुर्लभ मुद्रा ओढ़े रहे-अब डरने की क्या बात है, विदेशी हाथ का साथ है! विदेशी हाथ और प्रचारक जी की खुशी का कनेक्शन कुछ समझ में नहीं आया। पूछा-विदेशी हाथ में खुश होने की क्या बात है? प्रचारक जी सतर्क हो गए। खुश कौन हो रहा है? विदेशी हाथ देख कर खुश हो भी कौन सकता है? बस, जरा विरोधियों की क्या गत बननी है, यह सोचकर हंसी आ गई। यह शुद्ध हंसी है, इसका खुशी से कोई नाता नहीं है। पूछा-और ये विदेशी हाथ का क्या चक्कर है? प्रचारक जी इत्मिनान से समझाने लगे। एकदम से राफाल-राफाल का शोर उठा तो पहले तो हम भी चकरा गए। दूसरों के दामन के दाग दिखाने वालों के दामन का दाग, किसी को दिखा तो दिखा कैसे? आज राफाल का दाग दिखा है, तो कल कोई और दाग दिखेगा। एक बार सिलसिला शुरू हो गया तो दूर तक जाएगा। वफादार चैनलों के सहारे कोई क्या-क्या दबाएगा। पर अपने नेता को हम विश्व का सबसे लोकप्रिय नेता यूं थोड़े ही कहते हैं। भाई ने पल भर में पकड़ लिया-जरूर इसके पीछे विदेशी हाथ है। सब देश के दुश्मनों की साजिश है। उनकी बात काटनी पड़ी। खामखां विदेशी हाथ को क्यों तकलीफ देते हो? दाग झूठे हैं, तो बता क्यों नहीं देते कि जहाज कितने का खरीदा है? दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। प्रवक्ता जी चिल्लाए-यही तो विदेशी चाल है। वे जानते हैं कि हम वादे के पक्के हैं। कुछ भी हो जाए, कीमत नहीं बताएंगे वरना पड़ोसी भी उतने ही दाम में वही जहाज नहीं खरीद लाएंगे! विदेशी हाथ की बात जंची नहीं। तपाक से जवाब आया-विरोधी बोझ के नीचे तो दब जाएंगे। पूछा-विदेशी हाथ का कोई सबूत? लापरवाही भरा जवाब आया-पहले वालों ने सबूत पेश किए थे? फिर, हमारी बारी में ही सबूत..। टोका-पहले विदेशी हाथ गोरों का होता था। प्रचारक जी एलान करते हुए उठ गए-हम विदेशी हाथ में रंगभेद नहीं करते।

फोटोग्राफी...

चुक : कैश होने के बाद एयर न्यूगिनी फ्लाइट से यात्रियों को बाहर निकालकर तट की ओर ले जाते अमेरिकी नौसैनिक।

प्रदूषण को लेकर कयासबाजी

अक्टूबर का महीना आ जाएगा और फिर दो साल पहले दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में प्रदूषण को लेकर कयासबाजी शुरू होने लगेगी। पिछले साल की बात करें तो 2017 में दिल्ली की हवा में प्रति घन मीटर 247 माइक्रोग्राम पीएम 2.5 प्रदूषक तत्व दर्ज किया गया। यह विश्व स्वास्य संगठन की सेफ लिमिट से 8 गुना ज्यादा है। 25 माइक्रोग्राम को सेफलिमिट माना जाता है।भारत में राष्ट्रीय मानकों के मुताबिक पीएम-2.5 का स्तर 60 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर से अधिक नहीं होना चाहिए, जबकि पीएम-10 के लिए यह स्तर 100 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर से अधिक नहीं होना चाहिए। जबकि दिल्ली के कुछ इलाकों में पीएम 2.5 की रीडिंग 400 से ज्यादा थी। यह भी गंभीर श्रेणी में आता है। हैरानी की बात है कि प्रदूषण को लेकर हमारे देश में उतनी गंभीरता नहीं दिखती जितनी विदेशों में दिखती है। यही वजह है कि प्रदूषण को लेकर सरकार से लेकर जनता तक का रवैया इस मसले पर बेहद सतही दिखता है। जब हालात गंभीर हो जाते हैं तब त्राहिमाम मचता है। कभी इस रूप में कि कई जान चली जाती है तो कभी आर्थिक क्षति के रूप में। एक रिकॉर्ड के अनुसार दिल्ली में हर साल प्रदूषण की वजह से 60 हजार करोड़ रुपये का नुकसान होता है। पिछले दो साल से प्रदूषण के कारण लोगों की तकलीफों से हर कोई परिचित है। फिर भी कुछ छोटी-मोटी कवायदों को छोड़ दें तो हालात गंभीरता की तरफ ही इशारा कर रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि अकेले दिल्ली में रजिस्टर्ड वाहनों की संख्या एक करोड़ को पार कर गई है। विश्व स्वास्थ संगठन के मुताबिक दुनिया के दस सबसे प्रदूषित शहरों में दिल्ली-एनसीआर का नाम आता है। आखिर प्रदूषण के कहर से कैसे छुटकारा पाया जा सकता है? कभी पटाखा चलाने पर रोक के आदेश होते हैं तो कभी कोयला आधारित संयत्रों को बंद करने की बात कही जाती है। तो कभी ऑड-ईवन का फामरूला अमल में लाया जाता है। मगर नतीजों में कोई खास बेहतरी नहीं दिखती है। उपग्रह से ली गई तस्वीरों में पता चला है कि दिल्ली के पड़ोसी राज्य हरियाणा और पंजाब में पराली जलाई जा रही है, जिसके कारण दिल्ली में एक बार फिर से प्रदूषण की काली छाया पड़ सकती है। पिछले हफ्ते पराली जलाने के 61 मामले हरियाणा में जबकि दो मामले पंजाब में दर्ज किए गए हैं। हरियाणा में दर्ज सभी मामले करनाल जिले में दर्ज किए गए हैं, जो दिल्ली से महज 140 किमी की दूरी पर है। लाजिमी है कि पराली के जलने का असर दिल्ली में साफ तौर पर महसूस किया जाएगा। पिछले साल उपग्रह से प्राप्त चित्रों की मदद से इन दो राज्यों में कुल 56, 471 मामले पराली जलाने के दर्ज किए गए थे। अंदाजा लगाया जा सकता है कि इससे पर्यावरण को कितनी क्षति पहुंचती है। प्रदूषण होने के दो मुख्य कारक हैं। पहला मानवीय और दूसरा प्राकृतिक। प्रदूषण से निपटने के लिए एक काम और किया जा सकता है। लेकिन इसके लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकार दोनों को लचीला रुख दिखना होगा। जैसे; केंद्र सरकार के कार्यालय और राज्य सरकार के कार्यालय समय में दो घंटे का अंतर हो। इससे इतर, स्कूलों और कॉलेजों के पाठयक्रमों में भी पर्यावरण और प्रदूषण को शामिल किया जाना बेहद जरूरी है। करीब 20 साल पहले सर्वोच्च अदालत ने पर्यावरण विषय को स्कूली पाठयक्रमों में शामिल करने का आदेश दिया था। मगर 20 सालों में बहुत कुछ बदल गया है। प्रदूषण के हालात लगातार खराब ही होते जा रहे हैं। सो, नियम के मुताबिक हर पांच साल में पाठयक्रम को बदल डालने की कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही जनस्वास्य और पर्यावरण को पाठयक्रम में बराबर का स्थान देना होगा। तभी हमें शुद्ध हवा मयस्सर होगी।

सार समाचार

ओकीनावा पहुंचा शक्तिशाली तूफान, 17 लोग घायल

शिबुशी। जापान के दक्षिणी द्वीप ओकीनावा में शनिवार को आए शक्तिशाली तूफान के चलते कम से कम 17 लोग घायल हो गए। मौसम विज्ञानियों ने चेतावनी दी कि यह तूफान और प्रचंड रूप धारण कर सकता है। ट्रामी तूफान के 216 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से रविवार को मुख्य भूभाग पर पहुंचने की आशंका है और सोमवार को देशभर में मौसम खराब हो सकता है। टेलीविजन फुटेज में दिखाई दे रहा है कि तेज हवाओं से पेड़ उखड़ गए जिससे रास्ते अवरुद्ध हो गए। सरकारी प्रसारणकर्ता एन एच के ने बताया कि ओकीनावा में करीब 700 लोगों को बचाकर सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया और करीब 200,000 से ज्यादा घरों की बिजली काट दी गई। उसने बताया कि मुख्यत- पश्चिमी जापान में कम से कम 386 उड़ानें रद्द कर दी गई। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि ओकीनावा में तूफान संबंधित घटनाओं में 17 लोगों को चोटें आई लेकिन किसी के भी मरने की आशंका नहीं है। घटनाओं में कई मकान भी क्षतिग्रस्त हो गए।

इंडोनेशिया में भूकंप और सुनामी से करीब 400 लोगों की मौत

जकार्ता। इंडोनेशिया की आपदा एजेंसी ने शनिवार को कहा कि इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप में जोरदार भूकंप और इससे पैदा हुई सुनामी की चपेट में आकर मरने वालों की संख्या करीब 400 हो गई है। इलाज के लिए बड़ी संख्या में अस्पताल आए घायलों से डॉक्टरों को जूझना पड़ रहा है। राहत और बचाव कर्मी भी प्रभावितों की सहायता में लगे हैं। राष्ट्रीय आपदा एजेंसी ने मृतकों की संख्या अब तक 384 बताई है।

यह आंकड़ा पालू नाम के शहर में मारे गए लोगों का है। उन्होंने कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। करीब साढ़े तीन लाख की आबादी वाले शहर पालू में कल सुनामी की 1.5 मीटर (पांच फुट) ऊंची लहरें उठी थीं। कई लोगों के शव समुद्र तट पर नजर आए। आपदा एजेंसी ने कहा कि शुक्रवार की शाम होने के कारण समुद्र तट के किनारे जश्न की तैयारियों में जुटे सैकड़ों लोगों का अता-पता नहीं होने के कारण भी चिंता पैदा हो गई है। अस्पतालों में बड़ी संख्या में घायल लोग भर्ती हैं। कई लोगों का इलाज खुले आसमान के नीचे किया जा रहा है जबकि जीवित बचे अन्य लोग मृतकों के शव बरामद करने में जुटे हुए हैं। एक व्यक्ति को समुद्र तट के पास एक छोटे बच्चे का रेत से सना शव निकालते देखा गया।

अमेरिका की ईरान विरोधी अरब गठबंधन बनाने की योजना

न्यूयॉर्क। ट्रंप प्रशासन ने शुक्रवार को पश्चिम एशिया में 'अरब नाटो' बनाने की योजना बताई जो अमेरिका के सहयोगियों को पश्चिम एशिया में ईरान के विरोध में एकजुट करेगा लेकिन कतर का कहना है कि खाड़ी देशों के बीच के संकट को पहले सुलझाया जाना चाहिए। अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने न्यूयॉर्क में बहरीन, मिस्र, जॉर्डन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्रियों से इस योजना में आगे बढ़ने के लिए मुलाकात की। विदेश मंत्रालय ने बताया कि पोम्पिओ ने इस्लामिक सूमह को हराने सहित सीरिया और यमन में संघर्ष समाप्त करने और इस क्षेत्र में ईरान की घातक गतिविधि को रोकने पर जोर दिया।

मसूद को वैश्विक आतंकवादी घोषित करने की राह में फिर रोड़ा बना चीन

वाशिंगटन (एजेंसी)।

चीन ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के अजहर मसूद को संयुक्त राष्ट्र में वैश्विक आतंकवादी घोषित करने के भारत के प्रयासों की राह में लगातार रोड़ा अटकाए जाने का बचाव करते हुए दलील दी है कि इस मुद्दे पर ''सीधे तौर से जुड़े'' भारत और पाकिस्तान के साथ-साथ सुरक्षा परिषद के सदस्य देशों के बीच ''आम राय'' नहीं है। अजहर साल 2016 में कश्मीर के उरी सैन्य अड्डे पर हमले समेत भारत में कई आतंकवादी हमलों का आरोपी है। उरी हमले में 17 जवान मारे गए थे। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में वीटो का अधिकार रखने वाला स्थायी सदस्य चीन सुरक्षा परिषद की अल-कायदा प्रतिबंध समिति के तहत अजहर को आतंकवादी घोषित करने के भारत के प्रयासों को लगातार अवरुद्ध कर रहा है।

भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस का समर्थन हासिल है। जैश-ए-मोहम्मद की स्थापना अजहर ने की थी और इस संगठन को पहले ही संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों की सूची में रखा गया है।

चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने अमेरिकी थिंक टैंक काउंसिल ऑफ फॉरेन रिलेशंस के एक कार्यक्रम में एक सवाल के जवाब में शुक्रवार को कहा, ''अगर सभी पक्ष आम सहमति पर पहुंच जाते हैं तो हम इसका समर्थन करेंगे लेकिन जो भी पक्ष इससे सीधे संबंधित हैं वे आम राय पर नहीं पहुंच पा रहे जैसे भारत और पाकिस्तान की आम राय नहीं है।''उन्होंने कहा कि अगर प्रत्यक्ष रूप से संबंधित पक्ष आम राय बनाने में सक्षम है तो ''हम एक साथ मिलकर यह प्रक्रिया आगे बढ़ा पाएंगे।''विदेश मंत्री ने कहा, ''हम सोचते हैं कि यह आगे बढ़ने का बेहतर तरीका है और हम इस मुद्दे पर भारत के साथ करीबी संपर्क बनाए रखेंगे क्योंकि हमारे उनसे अच्छे संबंध भी हैं।

हमें जल्द ही आम सहमति पर पहुंचने की उम्मीद है और हम एक साथ मिलकर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में योगदान दे सकते हैं।''चीन और पाकिस्तान को सदाबहार सहयोगी माना जाता है। अभी संयुक्त राष्ट्र महासभा के 73वें वार्षिक सत्र में भाग लेने न्यूयॉर्क गए हुए वांग ने दलील दी कि आतंकवादी घोषित करना सबूत पर आधारित

होना चाहिए और उन्होंने दावा किया कि मसूद के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य नहीं हैं।

उन्होंने कहा, ''चाहे ये लोग आतंकवादी हैं या नहीं, लेकिन ठोस तथ्य तथा सबूत होने चाहिए। अगर ठोस सबूत है तो कोई इसे झुठला नहीं सकता। मुझे नहीं लगता कि पाकिस्तान ऐसा करेगा।''उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के लिए पाकिस्तान की तारीफ भी की। वांग ने कहा, ''चीन आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ है। हम आतंकवाद से लड़ने में पाकिस्तान के प्रयासों में उसका समर्थन करते हैं। वर्षों पहले अमेरिका के अनुरोध पर पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में अल-कायदा के खिलाफ लड़ाई में भाग लिया था। उसने इसके लिए भारी कीमत चुकाई और बड़ा योगदान दिया। हमें लगता है कि उन्होंने (पाकिस्तान) जो किया उस पर निष्पक्ष फैसला होना चाहिए।''

गूगल के सीईओ सुंदर पिचई वाशिंगटन गए, ट्रंप से भी करेंगे मुलाकात

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।

गूगल के सीईओ सुंदर पिचई कंपनी के कारोबार के बारे में कांग्रेस (अमेरिकी संसद) के सदस्यों से चर्चा करने के लिए वॉशिंगटन गए हैं और आगामी गोलमेज वार्ता के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करने का भी उनका कार्यक्रम है। व्हाइट हाउस के मुताबिक राष्ट्रीय आर्थिक परिषद के प्रमुख लैरी कुडलॉ ने शुक्रवार को पिचई से मुलाकात के दौरान उन्हें ट्रंप से मिलने का निमंत्रण दिया था जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। व्हाइट हाउस ने बताया कि गोलमेज वार्ता में अन्य 'इंटरनेट शेयरधारकों' को भी आमंत्रित किया जाएगा। अभी वार्ता की तारीख तय नहीं हुई है। गूगल ने अभी इस पर टिप्पणी नहीं की है। ट्रंप ने हाल ही में गूगल पर कंजर्वेटिव विचारों को दबाने के लिए अपने शक्तिशाली सर्च इंजन के परिणामों में हेरफेर का आरोप लगाया था। हालांकि, गूगल ने किसी तरह के राजनीतिक भेदभाव से इनकार किया।

भारत आंतरिक राजनीति, चुनाव को देखते हुए वार्ता के प्रति अनिच्छुक

न्यूयार्क (एजेंसी)।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने आरोप लगाया है कि आंतरिक राजनीति और चुनावी दबाव के कारण भारत पाकिस्तान की नयी सरकार से बातचीत करने को लेकर अनिच्छुक है। न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के इतर विदेश मंत्री सुषमा स्वराज और कुरैशी के बीच बातचीत होने वाली थी। हालांकि, जम्मू कश्मीर में तीन पुलिसकर्मियों की नृशंस हत्या और मारे गए कश्मीरी आतंकवादी बुरहान वानी का महिमामंडन करते हुए पाकिस्तान द्वारा टिकट जारी किये जाने के बाद भारत ने पिछले सप्ताह बैठक रद्द कर दी थी।

एशिया सोसाइटी द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में शुक्रवार को एक सवाल के जवाब में कुरैशी ने कहा, ''वे अनिच्छुक क्यों हैं? साफ है कि राजनीति, चुनावी वजह है...वे मतदाताओं से डरे हुए हैं। वे मझधार में फंसे हुए हैं

और उन्हें वापसी में मुश्किलें हो रही हैं। चुनाव पास है उन्हें (भारत सरकार) लगता है कि इसका विपरीत असर हो सकता है।''भारत ने कहा है कि आतंकवादियों को समर्थन दिया जाना बंद करने तक पाकिस्तान के साथ कोई बात नहीं होगी। गुरुवार को भी पाकिस्तान को झटका देते हुए स्वराज दक्षेस के विदेश मंत्रियों की बैठक से जल्दी निकल गयी थीं। इस बैठक में कुरैशी भी हिस्सा लेने वाले थे। घटना के बारे में एक सवाल पर कुरैशी ने कहा, ''काश हम मुस्कराते। लेकिन (मैं) भारी तनाव (स्वराज के चेहरे पर) देख सकता हूं।

और जब वह गयीं, वह मीडिया से भी बात करने को इच्छुक नहीं थीं। मैं दबाव देख सकता हूं...उन पर जो राजनीतिक दबाव है, वह देख सकता हूं। ''उन्होंने कहा, ''और कुछ नहीं, राजनीति, आंतरिक राजनीति ही वजह है (जिस कारण से भारत पाकिस्तान से बात नहीं करना चाहता।) ''। उन्होंने कहा कि यह देखना दुखद था कि एक देश की जरूरत के कारण एक क्षेत्रीय मंच (दक्षेस) पर यह सब हुआ। मंगलवार को पाकिस्तानी विदेश मंत्री अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ से मिलने वाले हैं। उन्होंने कहा, ''आज भारत अमेरिका का रणनीतिक साझेदार है। हमें इस पर कोई मलाल नहीं है। लेकिन हमें लगता है पाकिस्तान ऐसा सहयोगी है जो हमेशा अमेरिका के साथ खड़ा रहा है।''

भारत के लिए वैकल्पिक तेल आपूर्ति के रास्ते तलाशे जा रहे: अमेरिका

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

अमेरिका में ट्रंप प्रशासन के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि ईरान पर चार नवंबर से अमेरिका के कड़े प्रतिबंध लागू होने के बाद भारत में तेल के आयात की जरूरत को अमेरिका समझता है और वैकल्पिक आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बातचीत की जा रही है ताकि 'हमारे दोस्त भारत की अर्थव्यवस्था पर इसका बुरा असर नहीं' पड़े। इस साल की शुरूआत में अमेरिका 2015 के ईरान परमाणु संधि से पीछे हट गया था और ईरान पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए थे। पहले चरण का प्रतिबंध पहले से ही प्रभावी है और चार नवंबर से यह प्रतिबंध पूर्ण रूप से लागू हो जाएगा। अमेरिका उम्मीद करता है कि भारत सहित सभी देश ईरान से तेल का आयात शून्य तक ले आएंगे।

अमेरिका ने यह साफ कर दिया है कि ईरान के साथ जो भी देश व्यापार करेगा, उसे अमेरिकी बैंकिंग प्रणाली और वित्तीय प्रणाली से बहिष्कृत कर दिया जाएगा। इस प्रतिबंध पर संयुक्त राष्ट्र की मुहर नहीं लगी है। भारत की हमेशा से यह पारंपरिक नीति रही है कि वह सिर्फ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों को ही प्रभावी करता है। ईरान से तेल का आयात करने वाले देशों में से एक भारत ने पहले ही ईरान से तेल का आयात कम कर दिया है लेकिन ऐसे संकेत दिए हैं कि वह अपनी ऊर्जा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उसे शून्य तक नहीं लाएगा। ब्यूरो ऑफ साउथ एंड सेंट्रल एशिया रीजन की मुख्य उप सहायक सचिव ने पीटीआई... बताया, 'अमेरिका अपने सभी मित्रों और सहयोगियों के साथ प्रतिबंध लागू होने पर चर्चा कर रहा है। हम भारत के तेल आयात की जरूरत को समझते हैं। इस चर्चा का हिस्सा भारत को तेल की वैकल्पिक आपूर्ति सुनिश्चित करना है ताकि भारत की अर्थ व्यवस्था पर इसका बुरा असर न पड़े।'

चीनी और अमेरिकी विद्वान चीन की व्यापार नीति से असहमत

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका में चीनी वस्तुओं के आयात पर भारी आयात-शुल्क लगाये जाने के बीच दोनों के बीच व्यापार युद्ध छिड़ने की आशंकाओं पर दोंनों के विशेषज्ञों की राय अलग अलग है। चीनी विशेषज्ञों ने यहां एक चर्चा में अमेरिका की व्यापार नीति पर असहमति जताते हुए कहा कि मौजूदा व्यापार व्यवस्था से दोनों देशों में समृद्धि बढ़ी है। चर्चा में वाशिंगटन (अमेरिका) के हडसन इंस्टिट्यूट के अध्यक्ष केन वेंस्टीन ने चीन के सेंसट फार चाइना एंड ग्लोबलाइजेशन (सीसीजी) के शोधकर्ताओं के साथ बातचीत में कहा , '' हमें अभी यह नहीं दिखता कि चीन ने अपने बाजार को अमेरिकी निवेशकों के लिए पूरी तरह उदार या खुला किया है।'

' वेंस्टीन ने कहा कि बौद्धिक संपत्ति की चोरी, भारी सरकारी सहायता और से चल रहे और कुछ मामलों में चीन की सेना से जुड़े चीनी उपक्रमों की भूमिका, रणनीतिक उद्येश्यों से किए जा रहे व्यापार, बाजार लागत से कम मूल्य पर सामान पाटने जैसे अनेक मुद्दे हैं जो अमेरिका-चीन संबंधों की दृष्टि से गंभीर मामले हैं। सीसीजी के अध्यक्ष हुइयाओ वांग ने कहा कि पिछले 40 साल के निकट संबंधों से दोनों देशों को काफी अधिक लाभ हुआ है।

उन्होंने उम्मीद जतायी कि ट्रंप प्रशासन स्थिति को बदलने की बजाय उन फायदों को कायम रखने की दिशा में काम करेगा। वांग ने कहा, 'अतीत में चीन में सुधार और बाजार को खोलने में अमेरिका की भूमिका काफी महत्वपूर्ण रही है।' उन्होंने कहा, ÷चीन के डब्ल्यूटीओ से जुड़ने के साथ ही वहां अमेरिकी निर्यात में 500 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसी दौरान अमेरिका के वैश्विक निर्यात में 90 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई।

हडसन इंस्टीट्यूट के चीन विषयक अध्ययन केंद्र के प्रमुख माइकल पिल्सबरी ने कहा कि चीन के विशेषज्ञों ने चीन का पक्ष 'बहुत विस्तार' से रखा लेकिन व्यापार संबंधों को लेकर ट्रंप द्वारा जतायी जा रही चिंता के समाधान की दृष्टि से वे बातें 'पर्याप्त नहीं' हैं। अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत रह चुके विद्वान हुसैन हक्कानी ने कहा कि चीन-अमेरिकी संबंधों में दिक्कतों की

शुरूआत दोनों देशों की राजनीतिक व्यवस्था की पारदर्शिता में बहुत अधिक अंतर से शुरू होती है। ।

मालदीव: मोहम्मद सालेह का राष्ट्रपति बनने का रास्ता साफ, चुनाव आयोग को मिली थी धमकी

कोलंबो (एजेंसी)।

मालदीव में राष्ट्रपति पद के लिये हुए चुनावों के नतीजे निर्वाचन अधिकारियों ने शनिवार को घोषित कर दिए. उन्होंने कहा कि उन्हें मिल रही जान की धमकी की वजह से कद्दावर अब्दुल्लाह यामीन की हार की अंतिम घोषणा करने में देर हुई. निर्वाचन आयोग के प्रमुख अहमद शरीफ ने इस बात की पुष्टि की कि पिछले हफ्ते हुए चुनावों में विपक्ष के साझा उम्मीदवार इब्राहिम मोहम्मद सोलिह 58.4 फीसदी मतों के साथ विजेता रहे. उन्हें कुल 1,34,705 मत मिले. आयोग ने सोमवार को ''अंतिरम नतीजे'' घोषित किये थे लेकिन 23 सितंबर को हुए चुनाव के अंतिम नतीजों के ऐलान को इस वजह से थोड़ा पीछे किया गया जिससे मतदान को दी जाने वाली कानूनी चुनौतियों का निस्तारण हो सके.

शरीफ ने कहा, ''आयोग के सभी पांच सदस्यों के खिलाफ आरोप लगाए गए थे...और हमें फोन पर जान से मारने की धमकी दी गई. हमें जान की धमकी की परवाह नहीं थी क्योंकि सुरक्षा बल सभी पांचों सदस्यों को

पर्याप्त सुरक्षा दे रहे थे. '' संवैधानिक रूप से आयोग के पास चुनाव नतीजे घोषित करने के लिये रविवार तक का समय था. उन्होंने कहा कि 2,33,889 मतों में से सिर्फ एक मतपत्र में ''मामूली विसंगतियां'' थीं.

शरीफ ने कहा कि अपने पांच साल के कार्यकाल के दौरान अधिकतर विरोधियों को जेल या निर्वासन में भेजने वाले यमीन को महज 96,502 मत मिले जो कुल पड़े वोटों का 41.6 फीसदी था. यमीन के कई समर्थकों ने यह कहते हुए शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्हें और अन्य मतदाताओं को अपना मत नहीं डालने दिया गया. कुछ ने आयोग पर घूस लेने का भी आरोप लगाया. शरीफ ने कहा कि आयोग आरोप लगाने वालों के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करेगा.

सुषमा ने यूएन में कहा, 'आतंकवाद फैलाने में ही नहीं, उसे नकारने में भी पाक को महारथ हासिल है'

यूनाइटेड नेशंस (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में बोलते हुए विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने पाकिस्तान पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने पहले बातचीत का प्रस्ताव भेजा फिर बॉर्डर पर हमारे जवानों की हत्या की.

सुषमा स्वराज ने कहा कि जहां तक भारत की बात है तो आतंकवाद कहीं दूर देश में नहीं, बल्कि सीमा पार से पनपा है और वो देश आतंकवाद फैलाने में ही माहिर नहीं है बल्कि अपने किए हुए को नकारने में भी उसने महारथ हासिल कर ली है इसका सबसे बड़ा सबूत है पाकिस्तान में ओसामा बिन लादेन का पाया जाना.

अमेरिका लादेन को खोज रहा था जो पाकिस्तान में मिला

विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका के इतिहास में 9/11 की घटना सबसे बड़ी आतंकवादी घटना के तौर पर देखी जाती है. अमेरिका पूरी दुनिया में 9/11 के मास्टरमाइंड ओसामा बिन लादेन को खोज रहा था लेकिन उसे नहीं मालूम था कि अपने आप को अमेरिका का सबसे बड़ा दोस्त कहने वाले पाकिस्तान ने ही ओसामा को अपने यहां छिपा कर रखा हुआ था.

उन्होंने कहा, 'यह अमेरिका की खुफिया तंत्र की सफलता थी कि उन्होंने ओसमा को वहां ढूंढ निकाला और यह अमेरिका की सैन्य शक्ति की उपलब्धि है कि उन्होंने वहीं ओसामा को वहीं मार गिराया लेकिन पाकिस्तान की हिमाकत देखिए कि सारा सच सामने आ जाने के बाद भी पाकिस्तान चेहरे पर न कोई झेंप न माथे पर शिकन, जैसे कोई गुनाह उन्होंने किया ही न हो'

26/11 का मास्टरमाइंड आज भी खुलेआम घुमता है

सुषमा स्वराज ने कहा कि 9/11 का मास्टरमाइंड तो मारा गया लेकिन 26/11 का मास्टरमाइंड आज भी खुलेआम घुमता है, रैलियां करता है, चुनाव लड़वाता है और भारत को धमकिया देता है. उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में विश्व के नामी आतंकवादी स्वतंत्रता सेनानी कहे जाते हैं.

सचिन इन्डस्ट्रीज को. ओ. सोसायटी लि. सचिन में हुआ 27वीं साधारण सभा का आयोजन

सूरत। सचिन सोसायटी अरिहंत कोम्पलेक्स में दुसरे माले पर होल में रमाबेन अेम. रामोलीया नइ अध्यक्षा के तैर पर शुभारंभ किया। इस सभा में कई कामों को मंजुरी भी दि गई जैसे सचिन विस्तार में स्टोर्म वोटर ड्रेनेज लाईन बनाने का काम, सचिन विस्तार में पुलिस के नियम रात 10 बजे से सुबह 5 बजे तक दुकाने बंद करने को लागु कराना, रोड़ पर चल रही दुकानों में टेलिविजन लगा कर पब्लिक को दिखाने वाली दुकानों से टीवी हटवाना, चेयरमैन निलेश पटेल द्वारा नोटीफाई बोर्ड बैठक में तैयार किए हुए मीनीटस पर सही नहीं किया जिसके बारे में चर्चा की जाएगी, रेसिडेंस इलाके में पे एण्ड युज टोयलेट बनवाने के लिए परस्ताव रखा, नोटीफाईड कचेरी की ऑफिस जी.आई.डी.सी के मध्य में प्लोट नं. 3611 मे टमप्रेली सिफट करेंगे, वेलकम गेट नं. 1 से लक्ष्मी वीला रोड़ नं. 6 तक डस्ट मुक्त मोडल रोड़ बनाने की चर्चा की गई, सीटी बस की सुविधा सचीन जी.आई.डी.सी लेकर मरोली फाटक तक चालु कराने की चर्चा की गई, भाटीया टोल नाका पर जो जी-जे-5 नंबर की टेम्पो से टोल लेना बंद करने की चर्चा, सचीन जी.आई.डी.सी में आने वाले गाय व भैंसों को बंद कराने की चर्चा की गई, कोमर्शीयल प्लोट पर गंदगी करने वालों पर जुर्माना लगा कर उसे साफ सुधरा रखने की चर्चा की गई, डी.जी.वी.सी.एल के ट्रांसफार्म के आस-पास में सफाई का ध्यान स्वयं रखने को कहा गया।

ख्वाजा गरीब नवाज वेलफेयर ट्रस्ट सूरत की ओर से

इमाम हुसैन की याद में 11वां ब्लड कैंप का आयोजन

सूरत। 121 लोगो ने इस केम्प में हिस्सा लेकर अपना रक्तदान किया। खास बात तो यह है कि ख्वाजा गरीब नवाज वेलफेयर ट्रस्ट के कर्मचारियों ने भी इस प्रोग्राम में हिस्सा लेकर अपना रक्तदान किया। ऐसे तो ख्वाजा गरीब नवाज वेलफेयर ट्रस्ट सूरत अनगिनत सामाजिक काम करता आ रहा है और गरीबों के एजुकेशन हेल्थ के लिए साल भर में अनेक काम करता है और ख्वाजा गरीब नवाज वेलफेयर ट्रस्ट की मेडिकल दवाओं का स्टोर डिजिटल एक्सरे कॉमटिक स्टोर लेबोरटरी जैसी अनेक सुविधा यहां पर उपलब्द है इन सुविधाओं का लाभ अनेक लोग रोज़ उठाते है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के म्युनिजयम का मोदी करेंगे लोकार्पण

राजकोट। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की १५०वीं जन्मजयंति के अवसर पर पूरे विश्व में मनाया जाएगा। जिसमें राजकोट महानगरपालिका में विशेष उत्सव किया जाएगा। राजकोट महानगरपालिका द्वारा २६ करोड़ रुपये के खर्च से आल्फेर्ड हाईस्कूल में महात्मा गांधी म्युजियम तैयार किया गया है जिसका लोकार्पण आगामी ३० तारीख को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया जाएगा। अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आने के लेकर प्रशासन द्वारा तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की १५०वीं जन्मजयंति के अवसर पर पूरे विश्व में उत्सव मनाया जाएगा। यह उत्सव में राजकोट ने विश्व को विशेष उपहार देने जा रहा है। राजकोट के जवाहर रोड पर स्थित आल्फेर्ड हाईस्कूल जहां कि महात्मा गांधी ने ७ वर्ष तक पढ़ाई की थी। पिछले कई दिनों से इस स्कूल में विद्यार्थियों की कम संख्या होने से राजकोट महानगरपालिका द्वारा इस स्कूल को म्युजियम में तब्दील करने का निश्चय किया गया। केन्द्र और राज्य सरकार की मिलाकर कुल २६ करोड़ की ग्रान्ट के द्वारा शनिवार को इस स्कूल को म्युजियम में परिवर्तित किया गया है। जिसका आगामी ३० तारीख को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लोकार्पण किया जाएगा। यह म्युजियम के अंदर पूज्य बापू की मोहन से लेकर महात्मा तक की जीवन शैली बतायी गई है। जिसे आगामी २ तारीख से लोग देख सकेंगे। सौनी योजना द्वारा आजी बांध में नर्मदा नीर आने के बाद सवा वर्ष में दूसरी बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राजकोट के दौरे पर आ रहे हैं। अब प्रधानमंत्री का स्वागत करने के लिए राजकोट उत्साहित लग रहा हो ऐसा लग रहा है। राजकोट महानगरपालिका द्वारा राजकोट की सभी सरकारी ऑफिस तथा राजकोट के मुख्य मार्गों को रोशनी से सजाया गया है इसके साथ ही राजकोट के मुख्य सर्किल पर केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं को प्रकाशित करती थीम रखी गई है।

लक्ष्मीपति ग्रुप के द्वारा 'मन की बात' एवं गुजरात गोल्डन गर्ल सरीता गायकवाड का सम्मान समारोह

सूरत। शहर में कपड़ा उद्योग से जुड़े व्यापारी एवं कारीगर ने सेंट्रल पार्क पांडेसरा जी.आई.डी.सी में आयोजित मन की बात एवं सरीता गायकवाड़ के सम्मान समारोह में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में सासंद सी.आर. पाटील, नीतीन भजीयावाला, वीवेक पटेल, संगीता पाटिल, लक्ष्मीपति ग्रुप के अध्यक्ष तथा समाज के गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में गोल्डन गर्ल सरीता गायवाड़ को पाडेसरा और सचिन के टेक्सटाइल उद्योगकरों ने 5 लाख का चेक सम्मान स्वरुप दिया, और उनका फुल माला पहना कर स्वागत किया। कार्यक्रम में मन की बात कार्यक्रम का सेटेलाइट द्वारा 5 हजार लोगों को सुनाया गया, इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जीवनी पर बनी शोर्ट फिल्म को भी दिखाया गया।

जय भारत फाउन्डेशन ट्रस्ट द्वारा सर्जिकल स्ट्राइक के आयोजक कर्नल फ्रांसीस का स्वागत कार्यक्रम

सुरत शहर के पांडेसरा विस्तार में चीकू वाडी के पीछे स्थित विजया नगर स्टेडियम में ता. 29/09/2018 को जय भारत फाइन्डेशन ट्रस्ट द्वारा सर्जिकल स्ट्राइक क रूप रेखा तैयार करनेवाले मास्टर माइन्ड कर्नल फ्रांसीस का स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। साथ ही साथ आदरणीय कर्नल फ्रांसीस द्वारा शहर के लगभग 5000 स्कूली बच्चों को सर्जिकल स्ट्राइक की स्थिती से अवगत कराकर देश के प्रति वफादारी ईमानदारी त्याग तथा बलिदान के लिए प्रोत्साहित करते हूए देश भक्ति की शिक्षा का ज्ञान दिया गया। जब आदरणीय कर्नल फ्रांसीस ने सर्जिकल स्ट्राइक की कहानी का वर्णन करते समय जव उन्होंने बताया कि सर्जिकल स्ट्राइक में जाते समय रास्ते में एक नदी पडी थी जिस नदी को पार करने के लिए हमारे देश के सभी जवानों ने मात्र एक रस्सी के सहारे हम जवानों ने नदी के इस पार से उस पार हूए। इस बात को सूनते ही लोगों के शरीर के रोंगटे खडे हो गये और आंखो में ऐसे पानी भर गये जैसे आंसू दिखते थे पर निकलते नही। ऐसे मौके पर कार्यक्रम के आयोजन में माननीय प्रकाश चंद्रजी शहर के कुछ मुख्य नेताओं जैसे मनपा मेयर जगदीश पटेल, शहर प्रमुख नितीन भाई भजियावाला तथा ऊम प्रमुख इ.वी.एस.शर्मा तथा शिक्षण समिती के चेयरमैन हसमुखभाई पटेल तथा उत्तर भारतीय सेल के कन्वीनर विजय पटेल तथा अन्य नेताओं की उपस्थिती में सर्जिकल स्ट्राइक के आयोजक कर्नल फ्रांसीस का लोगों द्वारा स्वागत कार्यक्रम किया गया।

सत्ता से दूर रही कांग्रेस को अब पैसे की जरूरत पड़ी

अहमदाबाद। पिछले २८ वर्ष से गुजरात में सत्ता बिना रही कांग्रेस धीरे-धीरे पैसे की कमी के चपेट में आ गई है और अब ऐसी स्थिति आकर खड़ी हो गई है कि, वहां चुनाव लड़ने के लिए पर्याप्त पैसे भी पार्टी के पास नहीं है, अब पैसे की कमी के चपेट में आई गुजरात कांग्रेस ने अब महंगाई के बीच सामना कर रही गुजरात के बीच जाकर आगामी लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए पैसे जमा करने का तय किया है। गुजरात कांग्रेस के नेता २ अक्टूबर यानी कि गांधी जयंति के दिन से गुजरात कांग्रेस जनसंपर्क के साथ धनसंग्रह अभियान शुरू करेगी। जिसमें १०० रुपये से १००० रुपये तक की कूपन तैयार की गई है।

हिंदू युवा वाहिनी गुजरात प्रदेश अध्यक्ष विकास अहिर द्वारा सराहनीय काम

सूरत। हिंदू युवा वाहिनी गुजरात प्रदेश अध्यक्ष विकास अहीर द्वारा एक शववाहिनी का उद्घाटन किया गया। जिसमें सूरत के विभिन्न हिंदू संगठनों की उपस्थिति में समस्त भारत देश के किसी भी राज्य में शव ले जाने के लिए राहत मिलेगी और गरीब बेसहारा मजदूरों को नि:शुल्क सेवा दी जाएगी।

महादेव मीडिया
रोहताश यादव 9924144499, 7015339195
वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)
हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।
304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

शहर के एएमसी के सफाई कर्मचारियों को इनाम लगा

अहमदाबाद। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के सफाई कर्मचारियों को जैसे इनाम लगा है। कई दिनों से चली आ रही लड़ाई सफाई कर्मचारियों की लड़ाई और मांगों को आखिर में एएमसी प्रशासन द्वारा म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में काम करते ६०००रोजाना सफाई कर्मचारियों को गत अप्रैल से स्थायी करने का निर्णय लिया गया है, जिसके संदर्भ में अब उनको मिलने वाला दोगुना वेतन देने का निर्णय लिया गया है। इस तरह रोजाना कर्मचारियों को महीना ८५०० रुपये के बदले में १७,५०० वेतन मिलेगा। सफाई कर्मचारियों को स्थायी करने और दोगुना वेतन के निर्णय की वजह से म्युनिसिपल तिजोरी पर ५.१० करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा। दूसरी तरफ. एएमसी प्रशासन के इस निर्णय की वजह से शहर के सफाई कर्मचारियों और उनके परिजनों में खुशी की लहर फैल चुकी है। पिछले चार दिन से रोजाना कर्मचारियों के हड़ताल पर जाकर अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठ गये थे। नौकर मंडल तथा डेमोक्रेटिक भारतीय समाज पार्टी ने इस मामले में १६ लंबित मांगों को लेकर म्युनिसिपल कमिशनर को आवेदनपत्र दिया गया। सफाई कर्मचारियों की मांगों के प्रति विचार-विमर्श के आखिर में गत दिन म्युनिसिपल कमिशनर ने दोगुना वेतन की घोषणा की थी। जिसमें १०० फीसदी वेतन वृद्धि दी गई थी। इसके अलावा कई मांग को स्वीकार कर लिया गया। जिसके संदर्भ में गत दिन अनशन खत्म करने पर सफाई कर्मचारियों की हड़ताल खत्म हो गई थी। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के करीब ६००० सफाई कर्मचारियों को स्थायी किए जाने पर म्युनिसिपल तिजोरी पर महीने का ५.१० करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा। स्थायी कर्मचारियों को मूल जगह पर वापस रखना, रिक्त जगहों पर भर्ती करना, पालिका, पंचायत के ८० कर्मचारियों को स्थायी करना और फायरब्रिगेड में वोलियन्टर के तौर पर डयुटी करते कर्मचारियों को ड्राइवर के तौर पर भर्ती करने के मामले को मंजूरी दी गई थी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com